भाजपा अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह द्वारा
रेल बजट पर दिया गया वक्तव्य

- रेलमंत्री द्वारा प्रस्तुत इस साल का रेल बजट और कुछ और नहीं है बल्कि एक छलावा मात्र है क्योंकि बजट सत्र से पहले ही रेल किराये में 20 की फीसदी को वृद्वि कर दी गई है। अब सरकार ने माल भाड़े में तेल की कीमतों का समायोजन करने का प्रावधान देकर माल–भाड़े में भी पॉच फीसदी की वृद्वि सुनिश्चित कर दी गई है। माल भाड़े में की गई वृद्धि से मंहगाई और बढ़ेगी

- इस बार के रेल बजट में तत्काल आरक्षण और सुपरफास्ट शुल्क में भी वृद्वि का प्रस्ताव रखा गया है, जिससे कुछ श्रेणी के यात्रियों को अधिक किराये का भार भी वहन करना पड़ेगा।

- रेलवे यू.पी.ए. सरकार की आर्थिक दिशाहीनता और वित्तीय कुप्रबंधनक से पीड़ित है। यात्रियों की सुविधाओं और रेलवे के आधारभूत ढ़ाचे को मजबूत करने के एक सकारात्मक नजरिये के अभाव में भी रेल विभाग लगातार भारी घाटा उठा रही है। नई रेल लाईनें बिछाने के अपने लक्ष्य में काफी कमी करके यू. पी. ए. सरकार ने यह प्रदर्शित किया है कि रेल का आधारभूत ढांचा मजबूत करने का उसके पास कोई दृष्टि नहीं है। इस साल के बजट में केवल 400 कि.मी. नई रेल लाइनें बिछाने का प्रस्ताव रखा गया है।

- वर्ष 2012–13 में रेल विभाग को 24,600 करोड़ रूपये का घाटा हुआ मगर आधारभूत ढ़ाचे और यात्री सुविधाओं में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। रेलवे में हो रहे घाटे की भरपाई आम आदमी को करनी पड़ रही है।

- इस बार के रेल बजट में बीमार भारतीय रेल की सेहत सुधारने में यू. पी.ए. सरकार की नाकामी और दृष्टिहीनता पूरी तरह उजागर हो गयी है।